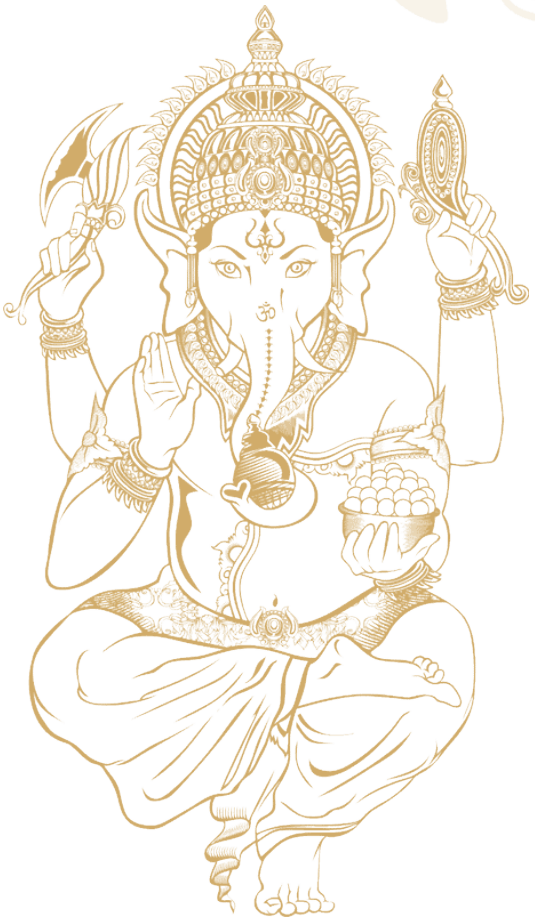

Subha Surabhi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121465605

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
26/03/1995	जन्म तिथि	16/12/1996
रविवार	दिन	सोमवार
घंटे 13:05:03	जन्म समय	21:22:39 घंटे
घटी 16:56:48	जन्म समय(घटी)	35:40:37 घटी
India	देश	India
Ghaziabad	स्थान	Delhi
28:40:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:26:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:20:16	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:18:19	सूर्योदय	07:07:14
18:34:25	सूर्यास्त	17:26:35
23:47:36	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:53

विंशोत्तरी
चन्द्र 7वर्ष 6मा 7दि

राहु	
02/10/2009	
02/10/2027	
राहु	14/06/2012
गुरु	07/11/2014
शनि	13/09/2017
बुध	02/04/2020
केतु	20/04/2021
शुक्र	20/04/2024
सूर्य	15/03/2025
चन्द्र	14/09/2026
मंगल	02/10/2027

ग्रह	राशि	अंश
लग्न	कर्क	23:29:09
सूर्य	धनु	01:10:14
चंद्र	कुंभ	21:39:26
मंगल	सिंह	29:38:55
बुध	धनु	21:31:55
गुरु	धनु	27:52:33
शुक्र	वृश्चि	05:28:27
शनि	मीन	06:57:04
राहु व	कन्या	10:27:53
केतु व	मीन	10:27:53
हर्ष	मक	08:38:55
नेप	मक	02:28:21
प्लूटो	वृश्चि	10:01:25

राशि	अंश
कर्क	00:58:54
मीन	11:23:13
मक	13:18:23
कर्क	19:23:14
कुंभ	23:55:21
वृश्चि	21:31:48
कुंभ	03:56:06
कुंभ	23:40:48
तुला व	12:11:52
मेष व	12:11:52
मक	06:01:16
मक	01:27:57
वृश्चि व	06:40:21

विंशोत्तरी
गुरु 14वर्ष 0मा 4दि

शनि	
21/12/2010	
21/12/2029	
शनि	24/12/2013
बुध	02/09/2016
केतु	12/10/2017
शुक्र	11/12/2020
सूर्य	23/11/2021
चन्द्र	25/06/2023
मंगल	02/08/2024
राहु	09/06/2027
गुरु	21/12/2029

लग्न-चलित

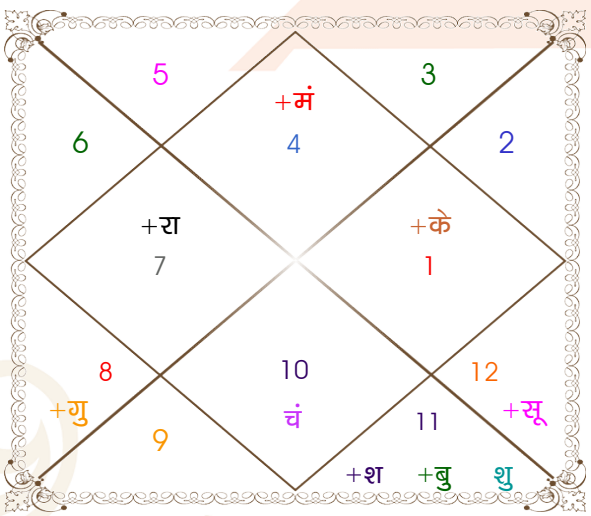

लग्न-चलित

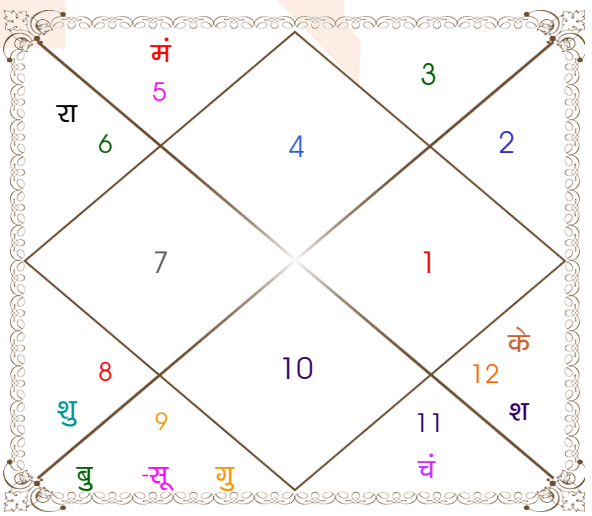

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	वानर	सिंह	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	शनि	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	कुम्भ	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	24.50		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Subha का वर्ग मार्जार है तथा Surabhi का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Subha और Surabhi का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Subha मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Subha कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Surabhi मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Surabhi कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Subha तथा Surabhi में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।